Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

MAJY-203

ज्योतिष प्रबोध

एम0ए0 ज्येातिष (MAJY)

द्वितीय वर्ष, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 20 = 40]

Q.1. दिक् साधन के सैद्धान्तिक पक्ष का प्रतिपादन कीजिये।

P.T.O.

Q.2. भारतीय ज्योतिष में वराहमिहिर की भूमिका को स्पष्ट कीजिये।

Q.3. सिद्धान्त ज्योतिष के उन्नति काल का विस्तृत वर्णन कीजिये।

Q.4. भू–भ्रमण से क्या तात्पर्य है? आर्यभट्टीयम् के अनुसार भू–भ्रमण का प्रतिपादन कीजिये।

Q.5. वेदों एंव साहित्यों में प्रतिपादित शून्य का उल्लेख कीजिये।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 10 = 40]

Q.1. पलभा किसे कहते है? यदि पलभा का मान 6/46 हो तो चरखण्ड साधन कीजिये।

Q.2. भास्करार्चा के कृतित्व पर प्रकाश डालिये।

Q.3. गोल परिभाषा के अनुसार अक्षक्षेत्र का परिचय दीजिये।

Q.4. वेदांग ज्योतिष पर टिप्पणी लिखिये।

Q.5. सामन्तचन्द्रशेखर का परिचय दीजिये।

Q.6. भू–आकर्षण का सिद्धान्त प्रतिपादित कीजिये।

Q.7. पृथ्वी के उत्पत्ति के सन्दर्भ में वैदिक मत का उल्लेख कीजिये।

Q.8. बोधायन परिमेय क्या है? स्पष्ट कीजिये।

****